आईसीएआर-सिरकॉट शताब्दी समारोह (1924-2024)

राष्ट्रीय सम्मेलन

(हाइब्रिड मोड़)

'भारत में कपास की चुनाई के यंत्रीकरण को सफलतापूर्वक अपनाने के लिए चुनौतियां और रणनीतियाँ'

आयोजक

भा.कृ.अनु.प. - केंद्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, मुंबई (आईसीएआर-सिरकॉट)

एवं

इंडियन फाइबर सोसायटी, मुंबई (आईएफएस)

आयोजन स्थल

आईसीएआर-सिरकॉट, एडनवाला मार्ग, माटुंगा, मुंबई - 400019

तिथि : 27 सितंबर, 2024

आईसीएआर-सिरकॉट

किसान और उद्योग के बीच एक सेतु

(1924 - 2024)

आईसीएआर-सिरकॉट

मुंबई स्थित भा.कृ.अनु.प. - केंद्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-सिरकॉट) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के प्रमुख घटक संस्थानों में से एक है। संस्थान अपने स्थापना वर्ष 1924 से कपास किस्मों की गुणवत्ता के आकलन, कपास और उसके कृषि अवशेषों के प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धित उत्पादों के विकास पर निरंतर रूप से बुनियादी और रणनीतिक अनुसंधान और प्रचार-प्रसार कर रहा है। संस्थान कपास प्रौद्योगिकी में वैश्विक उत्कृष्टता को दृष्टिगत रख कर कार्य करता है। यह संस्थान दुनिया में अपनी तरह का एकमात्र संस्थान है, जो कपास के पौधे के हर हिस्से के उपयोग पर अनुसंधान और विकास करता है और कपास रेशों के लिए रेफरल प्रयोगशाला के रूप में कार्य करता है। संस्थान अपने कौशल विकास कार्यक्रम के माध्यम से किसानों और कपास क्षेत्र के अन्य हितधारकों की क्षमता निर्माण की दिशा में काम कर रहा है तथा कृषि-व्यवसाय उद्भवन सेवा और अन्य वाणिज्यिक सेवाएं जैसे परीक्षण, परामर्श और अनुबंध अनुसंधान सेवाएं प्रदान करता है। आईसीएआर-सिरकॉट गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली के लिए भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा आईएसओ 9001:2015 से प्रमाणित है और यह सूत एवं कपड़े के यांत्रिकी और रासायनिक परीक्षण हेतु परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) द्वारा आईएसओ/आइईसी 17025:2017 से प्रत्यायित है।

आईएफएस

इंडियन फाइबर सोसायटी (आईएफएस) वस्त्रादि क्षेत्र के पेशेवरो और प्रौद्योगिकीविदों की एक पंजीकृत सोसायटी है जिसका पंजीकृत कार्यालय आईसीएआर-सिरकॉट, मुंबई में स्थित है। इस सोसायटी का उद्देश्य सूत, कपड़ा उद्योग और इससे संबंधित क्षेत्र में ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1860 और बॉम्बे चैरिटेबल ट्रस्ट अधिनियम 1950 के तहत पंजीकृत है। सात संस्थागत सदस्य तथा 250 से अधिक वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीविद आजीवन सदस्य के रूप में इस संस्था से जुड़े है।

सम्मेलन की पृष्ठभूमि

कपास की चुनाई का यंत्रीकरण और मशीन द्वारा चुने गए कपास का प्राथमिक प्रसंस्करण आज भारतीय कपास क्षेत्र के लिये बहुत आवश्यक है। कपास चुनाई के यंत्रीकरण से बहुत सी चुनौतियाँ जुडी हैं, जिनमें तकनीकी प्रगति से लेकर बाज़ार में स्वीकार्यता और आर्थिक व्यवहार्यता तक शामिल हैं। कपास उत्पादक और कपास मूल्य श्रृंखला के अन्य हितधारकों को कपास चुनाई एवं के यंत्रीकरण के लिए ऐसे व्यवहार्य समाधान चाहिये जिससे उत्पादन लागत कम हो, उत्पादकता में सुधार हो, श्रमिकों की कमी की समस्या दूर हो और कपास की गांठों में कचरे और संदूषण से बचा जा सके। वर्तमान स्थिति को देखते हुए निकट भविष्य में यंत्रीकरण की ओर बढ़ना बहुत महत्वपूर्ण है।

पिछले दो दशकों में कपास की चुनाई के यंत्रीकरण और ओटाई के कई पहलुओं पर सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण काम किया जा रहा है। लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद कपास की चुनाई का पूर्ण यंत्रीकरण एक दूर की हकीकत लगता है। केवल यांत्रिक कपास चुनाई मशीन का विकास कपास यंत्रीकरण की चुनौती का समाधान नहीं करता है। यंत्रीकरण के साथ कई तरह की चुनौतियाँ जैसे; कपास की यांत्रिक चुनाई के लिए उपयुक्त किस्मों का विकास, उपयुक्त डिफोलिएंट्स और वृद्धि नियामकों का विकास, उपयुक्त हार्वेस्टर का विकास, गुणवत्ता पहलू, यांत्रिक पद्धति से चुने गए कपास की सफाई के लिए प्रौद्योगिकी का विकास और अनुकूलन व यांत्रिक चुनाई से प्राप्त कपास की बाजार में स्वीकार्यता तथा यंत्रीकरण के कारण उत्पादन और प्रसंस्करण की लागत में हुई वृद्धि, इन सभी चुनौतियों से निपटने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। भारत में कपास उद्योग के भविष्य के लिए कपास की चुनाई का यंत्रीकरण नितांत आवश्यक है और लक्ष्य केंद्रित अनुसंधान, उपयुक्त प्रौद्योगिकियों के विकास और प्रदर्शन सुविधाओं के माध्यम से चुनौतियों को पार कर सफलता का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है।

सम्मेलन का उद्देश्य

इसी संदर्भ में आईसीएआर-सिरकॉट, मुंबई और इंडियन फाइबर सोसाइटी, मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में ''भारत में कपास की चुनाई के यंत्रीकरण को सफलतापूर्वक अपनाने के लिए चुनौतियां और रणनीतियाँ'' विषय पर एक राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन (हाइब्रिड मोड़) आयोजित किया जा रहा है जिसका उद्देश्य भारत में कपास चुनाई के यंत्रीकरण में अब तक हुई प्रगति का आकलन करना, आगे के मार्ग की चुनौतियों और छूट गये क्षेत्रों की पहचान करना और आने वाले वर्षों में कपास की

चुनाई में पूर्ण यंत्रीकरण का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए रणनीति और विस्तृत दिशा-निर्देश तैयार करना है।

सम्मेलन का प्रयोजन कपास क्षेत्र में कार्यरत नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं, उद्योगतज्ञों और किसानों सहित प्रमुख हितधारकों को एक मंच प्रदान करना है, ताकि वे इस क्षेत्र में चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा और अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए एक साथ आ सकें, कपास यंत्रीकरण को आगे बढ़ाने के लिए व्यापक योजना बनाए ताकि भारत में इसे सफलतापूर्वक अपनाया जा सके।

यह सम्मेलन 3 दिसंबर 2024 को संस्थान के स्थापना के 100 वर्ष पुरे होने के उपलक्ष्य में मनाया जा रहे शताब्दी समारोह के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। सितंबर माह 'हिन्दी भाषा चेतना मास' के रुप में मनाया जाता है, इसी को दृष्टिगत रखते हुए इस सम्मेलन का आयोजन हिंदी में किया जा रहा है जिससे शोधकर्ता अपनी नवीनतम उपलब्धियों और जानकारी को देश के बहुसंख्यक लोगों की भाषा हिंदी के माध्यम से उन तक पहुंचाने का प्रयास कर सकें।

तकनीकी सत्रों के लिए विषय क्षेत्र

1. मशीन से चुनाई के लिए उपयुक्त किस्मों, उच्च घनत्व रोपण प्रणाली, डिफोलिएंट्स एवं पादप वृद्धि नियामकों में तकनीकी उन्नति
2. कपास की खेती और चुनाई के यंत्रीकरण में विकास
3. मशीन द्वारा चुने गए कपास के चुनाई उपरांत प्रसंस्करण और विपणन में चुनौतियाँ और रणनीतियाँ

प्रतिभाग एवं विस्तारित सारांश हेतु

आयोजन समिति सभी शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों, छात्रों, किसानों और नीति निर्माताओं सहित हितधारकों को इस विचार-विमर्श में सहभागिता हेतु सादर आमंत्रित करती है। आयोजन समिति द्वारा प्रत्येक विषय क्षेत्र में मुख्य पेपर प्रस्तुति के लिए विशेषज्ञ वक्ताओं को आमंत्रित किया जायेगा। सभी विषयगत क्षेत्रों में मौखिक और पोस्टर प्रस्तुति द्वारा सम्मेलन में प्रत्यक्ष सहभागिता के लिए देश भर के सभी कपास शोधकर्ताओं और विषय वस्तु विशेषज्ञों से सम्मेलन के लिये विस्तारित सारांश भेजने का आग्रह किया जाता है। शोध पत्र का शीर्षक, प्रस्तुति के प्रकार (मौखिक/पोस्टर) और विषय क्षेत्र को दर्शाते हुए सारांश निम्नलिखित ईमेल पर प्रेषित किये जा सकते हैं: circothindiconf2024@gmail.com

सभी सारांशो को प्रकाशित किया जाएगा एवं सर्वश्रेष्ठ मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुतियों को पुरस्कार दिया जाएगा।

विस्तारित सारांश के लिये निर्देश

हिंदी में लिखित विस्तारित सारांश 1000 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए। सारांश में शोध कार्य के औचित्य, संक्षिप्त कार्यप्रणाली, मुख्य परिणाम और महत्वपूर्ण निष्कर्षों का संक्षिप्त विवरण होना चाहिए। सभी तरफ 2.54 सेमी का मार्जिन रखें। सभी विषय वस्तु हिंदी में "एरियल यूनिकोड फ़ॉन्ट" में टाइप की जानी चाहिए। पृष्ठ के ऊपरी भाग पर विषयगत क्षेत्र का उल्लेख करें और उसके बाद 14 फ़ॉन्ट आकार के साथ लेख का शीर्षक लिखें। शीर्षक के बाद सभी लेखकों के नाम और संबद्धता 10 फ़ॉन्ट आकार के साथ दी जानी चाहिए। सारांश का मुख्य पाठ 12 आकार फ़ॉन्ट में होना चाहिए। सारांश के अंत में चार से पांच महत्वपूर्ण कीवर्ड फ़ॉन्ट 12 आकार में दिए जाने चाहिए।

पोस्टर प्रस्तुति के लिए निर्देश

पोस्टर का आकार 4 x 3 फीट होना चाहिए और फ़ॉन्ट का आकार उचित होना चाहिए। सभी पाठ्य सामग्री "एरियल यूनिकोड फ़ॉन्ट" में हिंदी में टाइप की जानी चाहिए। शोध पत्र की प्रस्तुति के लिए पोस्टर बनाने हेतु मानक दिशा-निर्देशों का पालन करें।

पंजीकरण

राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने वाले सभी प्रतिनिधियों के लिए पंजीकरण अनिवार्य है।
पंजीकरण निम्नलिखित गूगल लिंक के माध्यम से ऑनलाइन किया जा सकता है।
https://forms.gle/mzSE5m77pPQnDCG39
सम्मेलन का पंजीकरण शुल्क रु. 2000/- है।

प्रतिनिधियों के लिए पंजीकरण शुल्क निम्नलिखित बैंक खाते में इलेक्ट्रॉनिक हस्तांतरण द्वारा भुगतान किया जाना वांछनिय है।

लाभार्थी का नाम	Indian Fibre Society
खाता संख्या	20019430014
बैंक और शाखा का नाम	Bank of Maharashtra (Mumbai Kings Circle)
आईएफएससी कोड	MAHB0000339

महत्वपूर्ण तिथियाँ

विस्तारित सारांश (2 पृष्ठ तक) प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	30 अगस्त, 2024
मौखिक/पोस्टर प्रस्तुति के लिए स्वीकृति की सूचना	05 सितंबर, 2024
पंजीकरण की अंतिम तिथि	15 सितंबर, 2024

आयोजन अध्यक्ष: डॉ. एस. के. शुक्ला, निदेशक, आईसीएआर-सिरकॉट, मुंबई

सह-आयोजन अध्यक्ष: डॉ. आर. पी. नाचने, प्रेसिडेंट, आईएफएस, मुंबई एवं पूर्व प्रमुख, गुणवत्ता मूल्यांकन एवं सुधार विभाग, आईसीएआर-सिरकॉट, मुंबई

आयोजन सचिव: डॉ. वी. जी. आरुडे, प्रधान वैज्ञानिक, आईसीएआर-सिरकॉट, मुंबई

सह - आयोजन सचिव

- डॉ. अशोक भारीमल्ला, प्रधान वैज्ञानिक, आईसीएआर-सिरकॉट, मुंबई
- डॉ. मनोज महावर, वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईसीएआर-सिरकॉट, मुंबई
- श्रीमती तृप्ति मोकल, प्रशासनिक अधिकारी, आईसीएआर-सिरकॉट, मुंबई
- डॉ. एस. एस. काऊतकर, वैज्ञानिक, आईसीएआर-सिरकॉट, मुंबई
- डॉ. शर्मिला पाटील, वैज्ञानिक, आईसीएआर-सिरकॉट, मुंबई

आयोजन समिति

- डॉ. सुजाता सक्सेना, प्रमुख, रसायनिक एवं जैवरसायनिक प्रौद्योगिकी विभाग, आईसीएआर-सिरकॉट एवं अध्यक्ष, आईएफएस, मुंबई
- डॉ. डी. एम. कदम, प्रमुख, अभियांत्रिकी प्रौद्योगिकी हस्तांतरण विभाग, आईसीएआर-सिरकॉट, , मुंबई
- डॉ. एन. शनमुगम, प्रमुख, यांत्रिकी प्रसंस्करण विभाग, आईसीएआर-सिरकॉट, मुंबई
- डॉ. ए.एस.एम. राजा, प्रमुख, गुणवत्ता मूल्यांकन एवं सुधार विभाग, आईसीएआर-सिरकॉट एवं सचिव, आईएफएस, मुंबई
- डॉ. टी. सेंथिलकुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईसीएआर-सिरकॉट, मुंबई
- श्री नवीन कुमार, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, आईसीएआर-सिरकॉट, मुंबई
- श्री रवि छंगानी, मुख्य तकनिकी अधिकारी एवं कोषाध्यक्ष, आईएफएस, मुंबई
- श्रीमती सुजाता कवलेकर, मुख्य तकनीकी अधिकारी, आईसीएआर-सिरकॉट, मुंबई
- श्रीमती प्राची म्हात्रे, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, आईसीएआर-सिरकॉट, मुंबई
- श्रीमती विनिया नाईक, निदेशक की निजी सहायक, आईसीएआर-सिरकॉट, मुंबई
- श्री गोरखा थापा, अवर श्रेणी लिपिक, आईसीएआर-सिरकॉट, मुंबई

पत्राचार के लिए पता

डॉ. वी. जी. आरुडे

प्रधान वैज्ञानिक एवं आयोजन सचिव

आईसीएआर-सिरकॉट, एडनवाला रोड, माटुंगा, मुंबई - 400019.

इमेल : circothindiconf2024@gmail.com

मोबाइल: 9881024460

https://circot.icar.gov.in